छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय,कानपुर

CHHATRAPATI SAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR

स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज़

School of Languages

हिन्दी दिवस भाषा उत्सव २०२५

(08.09.2025, 13.09.2025, 29.09.2025)

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में इस सितंबर महीने हिंदी भाषा का एक अत्यंत भव्य और सुंदर उत्सव मनाया गया, जिसका नाम था- 'हिंदी दिवस भाषा उत्सव २०२५'। यह संपर्णू कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कुलाधिपति महामहिम श्रीमती आनंदी बेन पटेल जी की प्रेरणा और माननीय कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक जी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। स्कूल ऑफ लग्वैंजेज के निदेशक डॉक्टर सर्वेश मणि त्रिपाठी जी और सम्पर्णू हिंदी विभाग ने मिलकर सितंबर के पूरे महीने भर हिंदी के लिए कई विशेष आयोजन किए, जिनमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह उत्सव केवल एक दिन का नहीं, बल्कि पूरे एक पखवाड़े का जश्न था। सबसे पहले, ८ सितंबर को, विद्यालयों की ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। फिर अगले दिन, ९ सितंबर को महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताएँ रखी गईं, जहाँ उन्होंने अपनी स्वरचित कविताएँ सुनाईं, भाषण दिए और 'हिंदी भाषा का

अतीत, वर्तमान और भविष्य' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जोशीले वाद-विवाद किए। इसके पश्चात, १३ सितंबर को विश्वविद्यालय के चालीसवें दीक्षांत समारोह के कार्यक्रमों के तहत हिदीं निबंध लेखन और काव्य लेखन की प्रतियोगिताएँ हुईं। इनमें लगभग साठ विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी मातृभाषा हिदीं के महत्व को अपनी लेखनी के माध्यम से बहुत ही मनोहर ढंग से व्यक्त किया। जिन विद्यार्थियों ने इन सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।इन विजेताओं को हिंदी दिवस भाषा उत्सव के आयोजन में सम्मानित किया गया।

हिंदी पखवाड़े का पूरा उत्सव का सबसे भव्य आयोजन २९ सितंबर को आयोजन किया गया। इस दिन का आयोजन बेहद विशषे था। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर सुधीर कुमार अवस्थी जी ने की।मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर संजय सिहं बघेल और उनकी धर्मपत्नी प्रोफेसर उमा सिंह (कुलाधिपति केरल केन्द्रीय विश्वविद्यालय) पधारे। साथ ही महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के हिंदीं विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर अजनी कुमार श्रीवास्तव जी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। निदेशक डॉक्टर सर्वेश मणि त्रिपाठी जी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और हिदीं विभाग के अध्यक्ष, डॉक्टर श्री प्रकाश जी

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय,कानपुर

CHHATRAPATI SAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR

स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज़

School of Languages

ने अपनी स्वरचित कविताओं के माध्यम से हिंदी का महत्व समझाया। सभी माननीय अतिथियों ने अपने-अपने विचार रखे और हिदीं को एक सशक्त, रोजगारपरक और जोड़ने वाली भाषा बताया।

इसके बाद एक विशषे समारोह हुआ- 'हिदीं भाषा गौरव सम्मान'। इसके अतंर्गत कानपुर नगर की प्रसिद्ध साहित्यिक विभूतियों, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों और वरिष्ठ हिंदी शिक्षकों को सम्मानित किया गया। साथ ही, वे सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थी जिन्होंने पिछली सभी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था, उन्हें भी पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रमर्य का सबसे मनोरंजक और रोमांचकारी हिस्सा था - 'कवि सम्मेलन'। इसकी अध्यक्षता डॉक्टर वंदना पाठक जी ने की। इस सत्र में देश के लगभग दस प्रसिद्ध कवियों ने भाग लिया और अपनी-अपनी अनूठी शैली में कविता सुना कर वातावरण को जादईु बना दिया। डॉक्टर रुचि चतर्वुेदी जी ने अपने मधुर गीतों से शुरुआत की। पंकज प्रसनू जी ने अपनी हास्य और व्यंग्य से भरी कविताओं से सभी को खबू हँसाया। औरैया के प्रसिद्ध कवि अजय शुक्ला 'अंजाम' जी, जो अपनी वीरता

और देशभक्ति से परिपर्ण कविताओं के लिए जाने जाते हैं, ने महाराणा प्रताप और उनके घोड़े चेतक की वीरता की गाथा को अपनी ओजस्वी आवाज़ में सुनाया, जिसे सुनकर सभी के मन में देशभक्ति की लहर दौड़ गई। हर एक कवि ने अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं का दिल जीत लिया।

इस पूरे भव्य आयोजन को सफल बनाने में हिंदी विभाग के विद्यार्थियों का साथ मिला।इंदु सिंह, मोहिनीश त्रिपाठी, अस्मिता यादव और हर्षिता शुक्ला ने मंच का संचालन की भमिूका निभाई। स्कूल ऑफ़ लैंग्वेज़ेज के समस्त शिक्षकों और विद्यार्थियों की मेहनत और जोश ने इस 'हिदीं दिवस भाषा उत्सव' को एक यादगार और सफल आयोजन बना दिया, जिसने हर किसी के हृदय में अपनी मातृभाषा हिदीं के प्रति प्रेम और गर्व की भावना को और अधिक मजबतू किया।